पुनर्जीवन प्रक्रिया
RESUSCITATION

उद्देश्य

- श्वासावरोध की स्थिति को पहचानना।
- पुनर्जीवन प्रक्रिया में दक्षता प्राप्त करना।

श्वासावरोध

- जन्म उपरान्त नवजात का न रोना या श्वास न लेना या किसी अवरोध की वजह से श्वास में कठिनाई होना।

श्वासावरोध के लक्षण

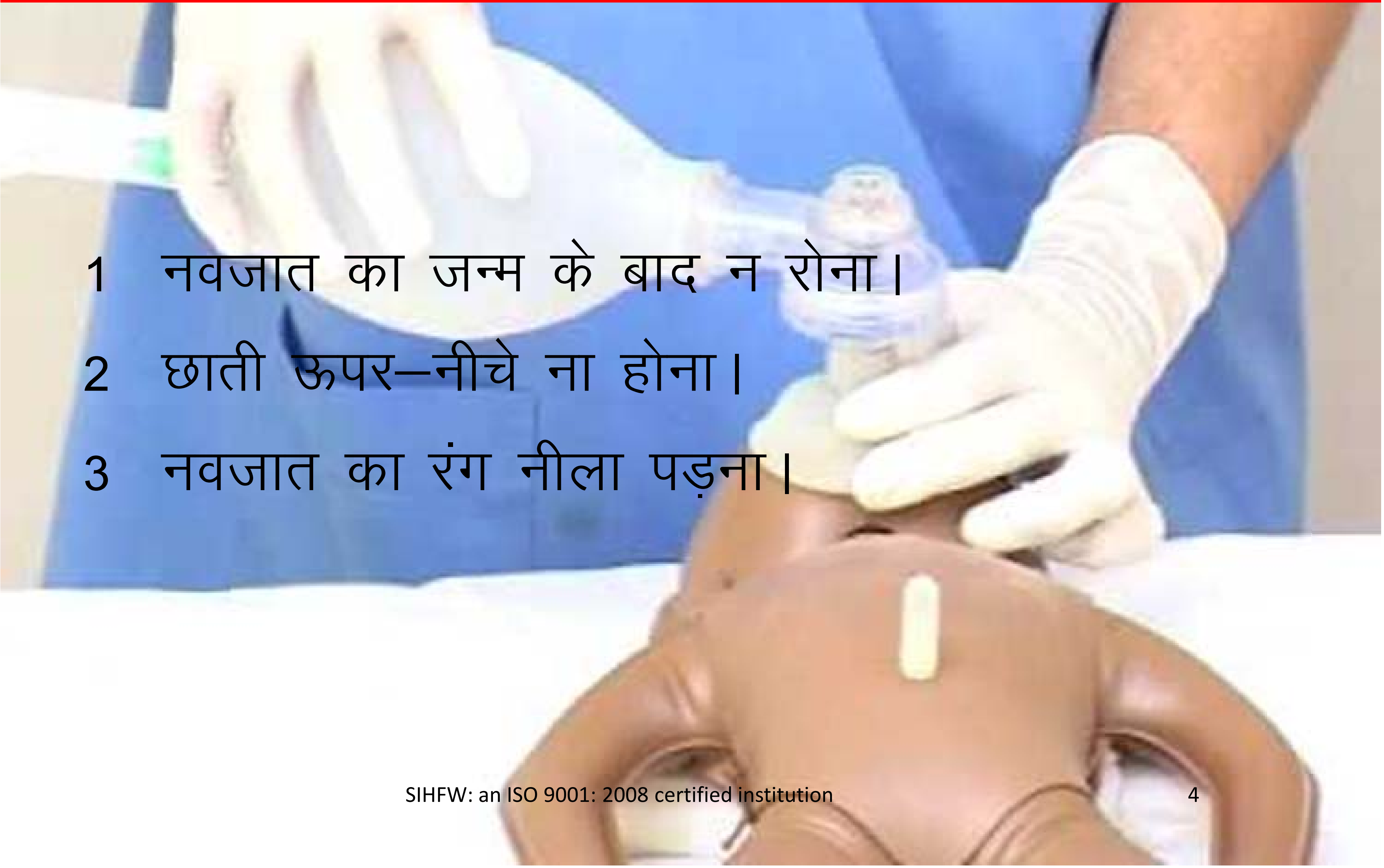

1 नवजात का जन्म के बाद न रोना।

2 छाती ऊपर–नीचे ना होना।

3 नवजात का रंग नीला पड़ना।

पुनर्जीवन प्रक्रिया

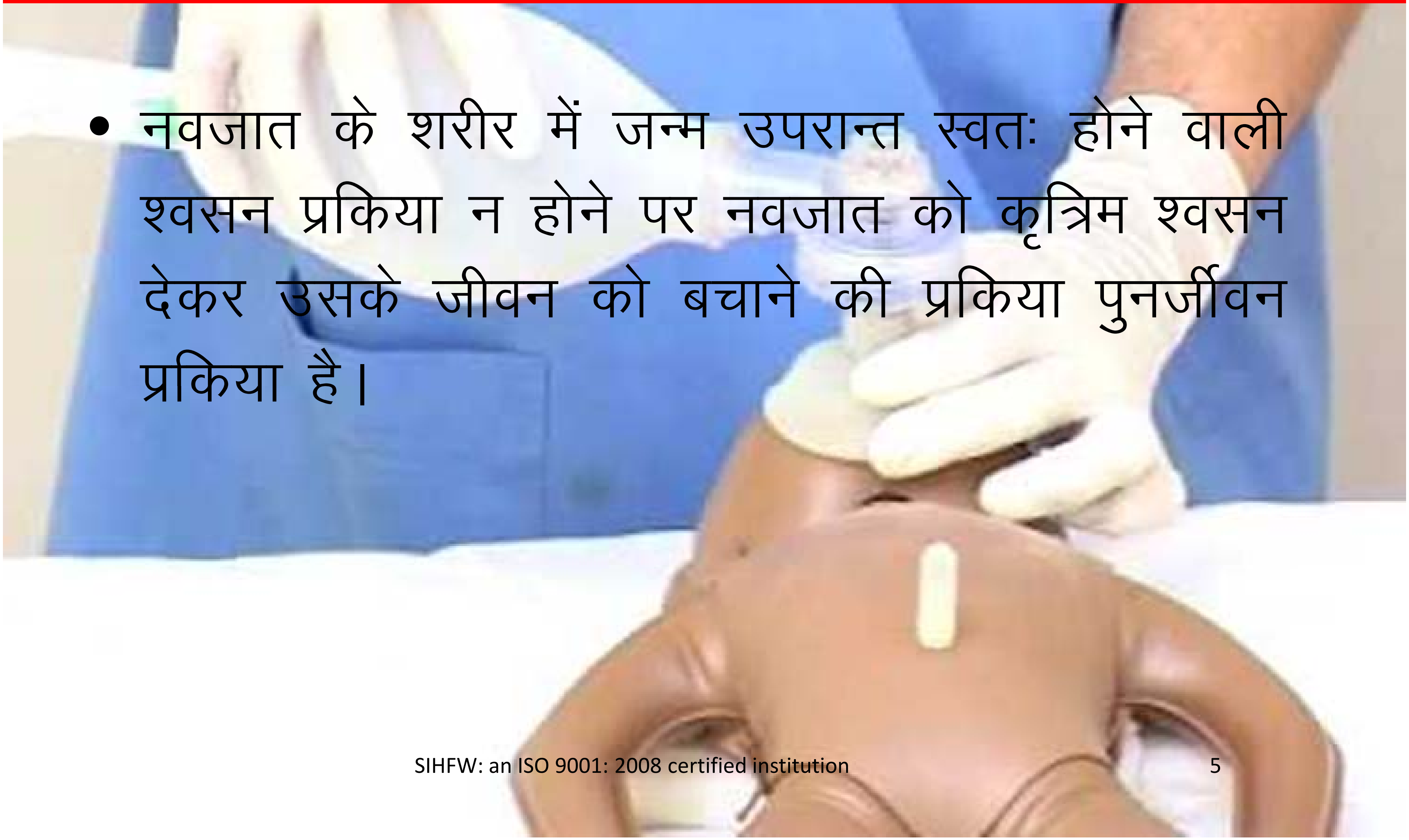

- नवजात के शरीर में जन्म उपरान्त स्वतः होने वाली श्वसन प्रकिया न होने पर नवजात को कृत्रिम श्वसन देकर उसके जीवन को बचाने की प्रकिया पुनर्जीवन प्रकिया है।

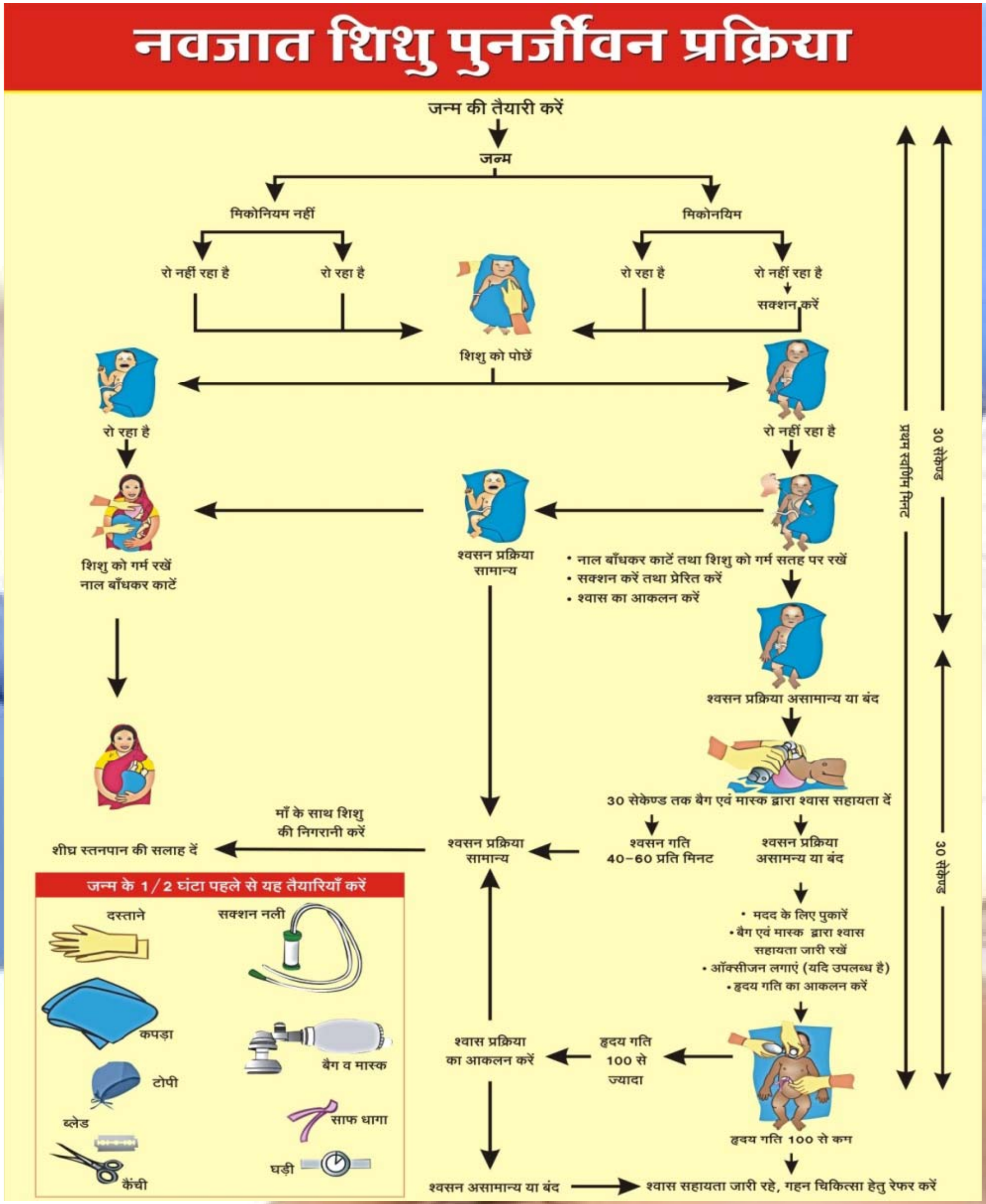
नवजात शिशु पुनर्जीवन प्रक्रिया
जन्म की तैयारी करें
जन्म
मिकोनियम नहीं
मिकोनियम
रो नहीं रहा है
रो रहा है
रो रहा है
रो नहीं रहा है
सक्शन करें
शिशु को पोछें
रो रहा है
रो नहीं रहा है
शिशु को गर्म रखें
नाल बाँधकर काटें
श्वसन प्रक्रिया
सामान्य
• नाल बाँधकर काटें तथा शिशु को गर्म सतह पर रखें
• सक्शन करें तथा प्रेरित करें
• श्वास का आकलन करें
श्वसन प्रक्रिया असामान्य या बंद
30 सेकेण्ड तक बैग एवं मास्क द्वारा श्वास सहायता दें
श्वसन गति
40-60 प्रति मिनट
श्वसन प्रक्रिया
असामन्य या बंद
माँ के साथ शिशु
की निगरानी करें
शीघ्र स्तनपान की सलाह दें
श्वसन प्रक्रिया
सामान्य
• मदद के लिए पुकारें
• बैग एवं मास्क द्वारा श्वास
सहायता जारी रखें
• ऑक्सीजन लगाएं (यदि उपलब्ध है)
• हृदय गति का आकलन करें
श्वास प्रक्रिया
का आकलन करें
हृदय गति
100 से
ज्यादा
हृदय गति 100 से कम
श्वसन असामान्य या बंद
श्वास सहायता जारी रहे, गहन चिकित्सा हेतु रेफर करें
प्रथम स्वर्णिम मिनट
30 सेकेण्ड
30 सेकेण्ड
जन्म के 1/2 घंटा पहले से यह तैयारियाँ करें
दस्ताने
सक्शन नली
कपड़ा
बैग व मास्क
टोपी
ब्लेड
साफ धागा
घड़ी
कैंची

पुनर्जीवन प्रक्रिया की आवश्यकता

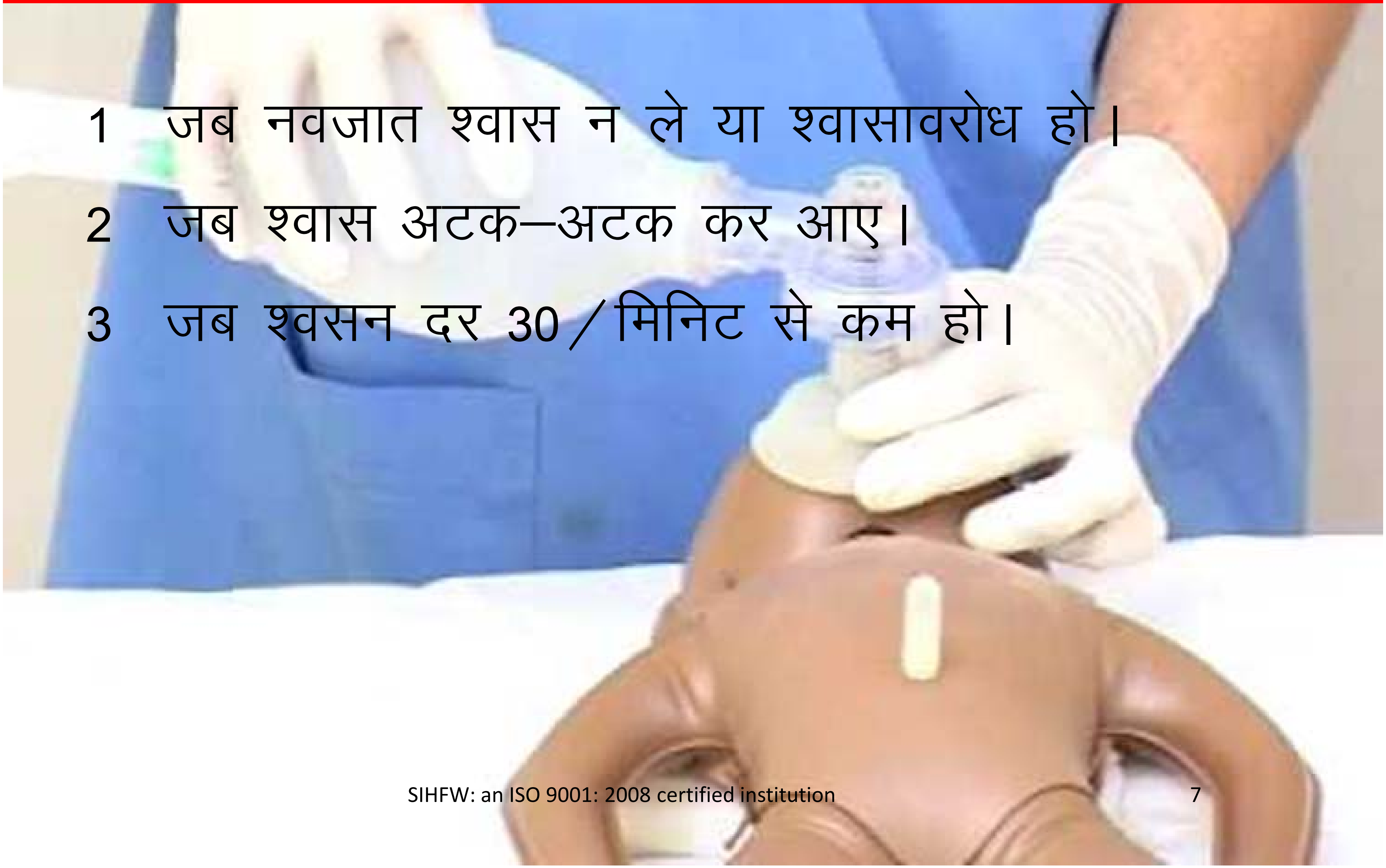

1 जब नवजात श्वास न ले या श्वासावरोध हो।

2 जब श्वास अटक–अटक कर आए।

3 जब श्वसन दर 30/मिनिट से कम हो।

पुनर्जीवन प्रक्रिया

पुनर्जीवन प्रक्रिया की तैयारी के चरण :

1 उपकरण तैयार करना।

2 सहायक तैयार करना और उसे उसकी भूमिका समझाना।

उपकरण

1 म्यूकस एक्सट्रेक्टर /सक्शन मशीन

2 शोल्डर रोल (आधा से 1 इंच मोटा)

3 सेल्फ इन्फलेटिंग बैग

4 मास्क – 0/1 नम्बर आकार का

5 दो साफ गर्म तोलिये

6 ऑक्सीजन

7 घड़ी /स्टॉप वॉच

8 गॉज पीस

9 दो जोड़े ग्लव्ज़

10 विटामिन ‘के’ इंजेक्शन

11 मेनीक्वीन

12 कॉर्ड क्लेम्प

उपकरण

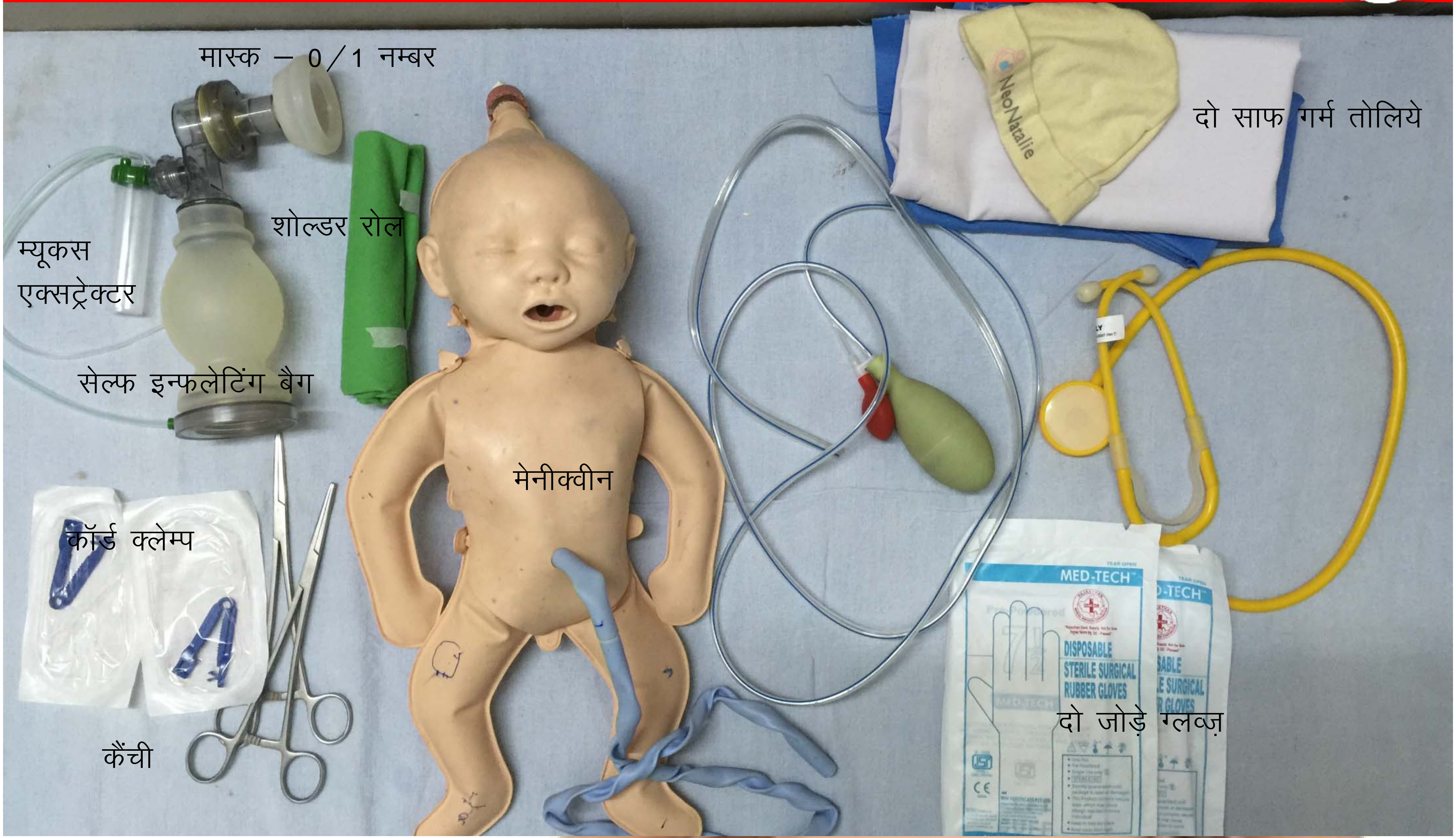
मास्क – 0/1 नम्बर
दो साफ गर्म तोलिये
शोल्डर रोल
म्यूकस
एक्सट्रेक्टर
सेल्फ इन्फलेटिंग बैग
मेनीक्वीन
कॉर्ड क्लेम्प
कैंची
दो जोड़े ग्लव्ज़
MED-TECH
DISPOSABLE
STERILE SURGICAL
RUBBER GLOVES
NeoNatalie

पुनर्जीवन प्रक्रिया के प्राथमिक चरण

1 तुरंत नाभिनाल काटना।

2 नवजात की स्थिति व पुनर्जीवन प्रक्रिया के बारे में मां को बताना।

3 नवजात को गर्म, सूखी, स्वच्छ व समतल जगह पर लिटाना या रेडियन्ट वार्मर का उपयोग करना।

4 नवजात को पीठ के बल लेटाकर स्वयं को नवजात के सिर की तरफ रखना।

पुनर्जीवन प्रक्रिया के प्राथमिक चरण

5 श्वास में अवरोध हटाने के लिये सक्शन करना।

6 नवजात को श्वास उतेजना हेतु उत्प्रेरण (stimulate) करना।

7 पूरी प्रक्रिया के दौरान नवजात को गर्म रखना।

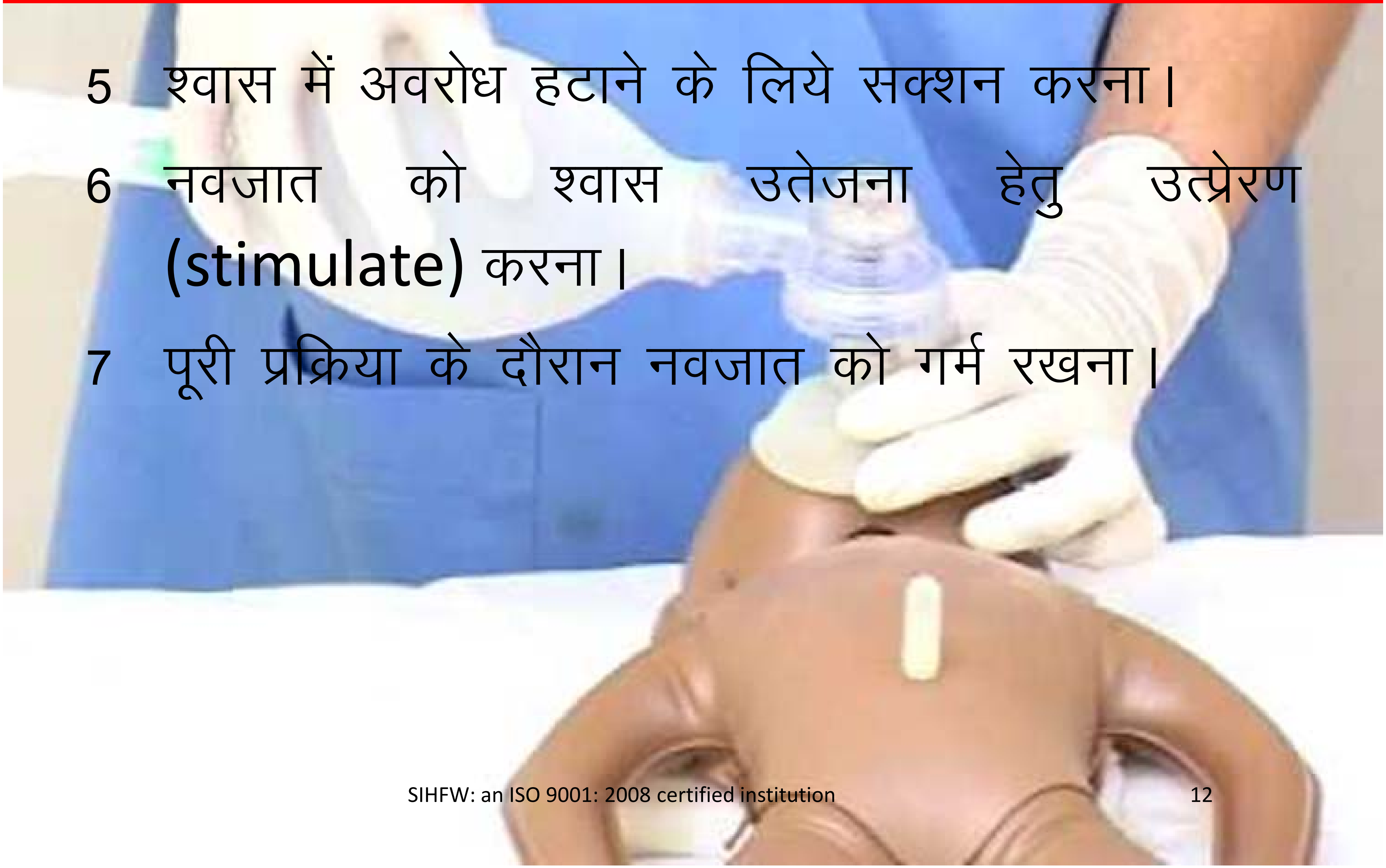

नवजात को गर्म रखना

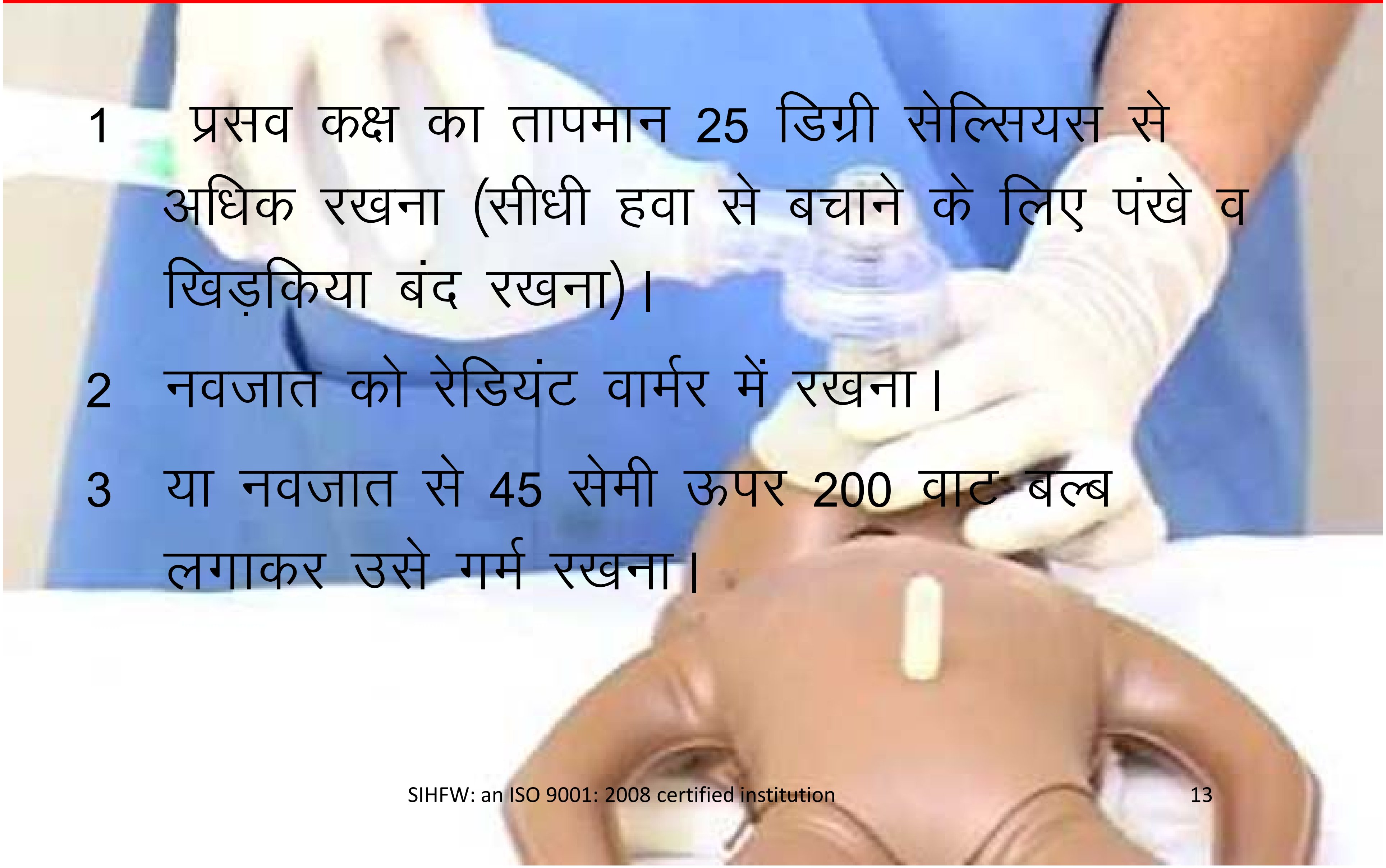

1 प्रसव कक्ष का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से अधिक रखना (सीधी हवा से बचाने के लिए पंखे व खिड़किया बंद रखना)।

2 नवजात को रेडियंट वार्मर में रखना।

3 या नवजात से 45 सेमी ऊपर 200 वाट बल्ब लगाकर उसे गर्म रखना।

नवजात का सक्शन करना

1 जो नवजात न रोये या नवजात ने मिकोनियम पी लिया हो उसे तुरंत मां के पेट पर ही म्यूकस एक्सट्रेक्टर/सक्शन मशीन की सहायता से सक्शन किया जाता है।

2 पहले मुंह में व बाद में नाक में सक्शन करें (मुंह में 5 सेमी व नाक में 2 सेमी से अधिक नली न जाए)

3 नली प्रवेश कराते समय सक्शन बंद हो तथा बाहर निकालते समय सक्शन प्रेशर के साथ नली बाहर निकालें।

नवजात का सक्शन करना

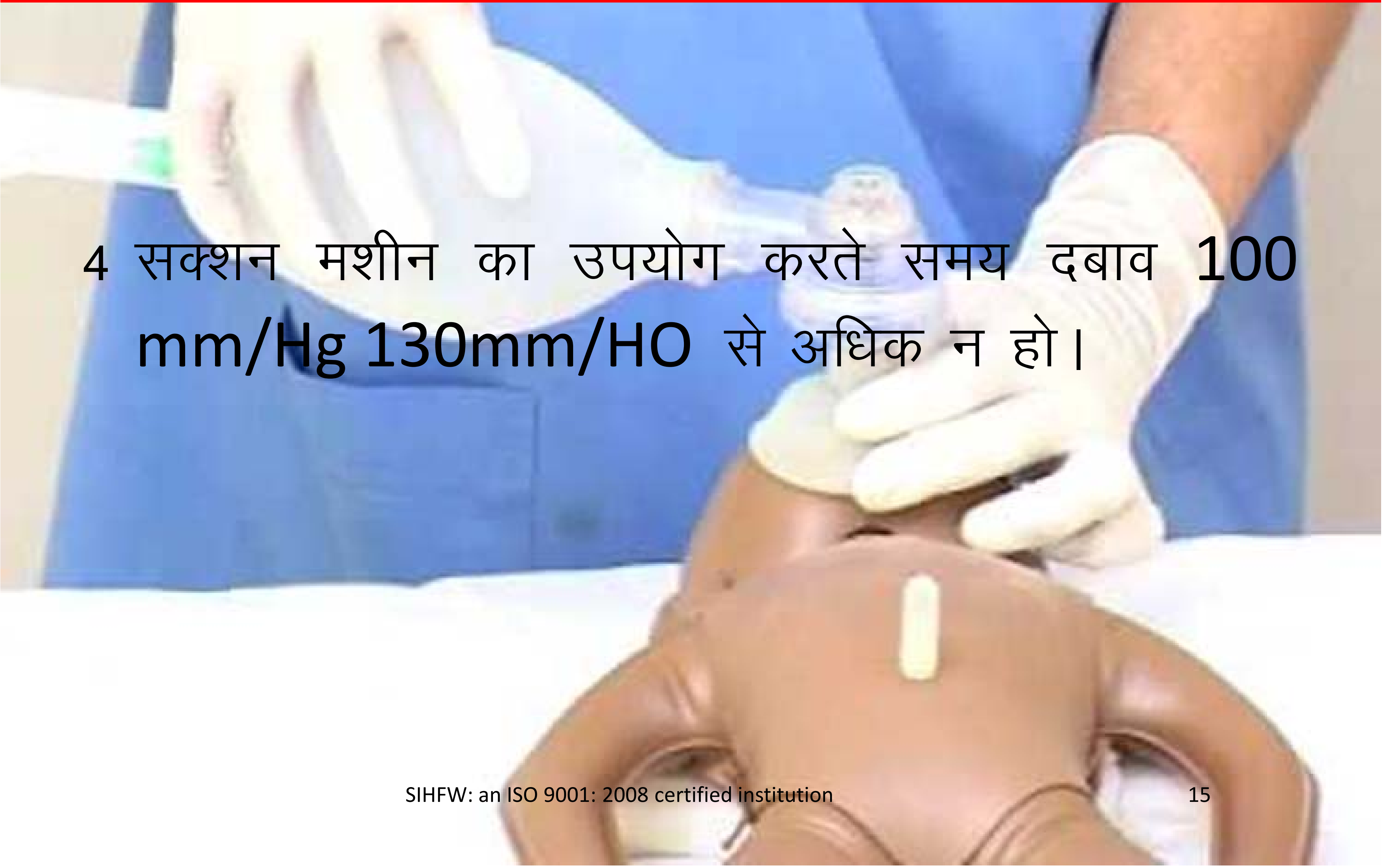

4 सक्शन मशीन का उपयोग करते समय दबाव 100 mm/Hg 130mm/HO से अधिक न हो।

सक्शन कैसे करें?

सक्शन कैसे करें

- म्यूकस सकर को शिशु के मुंह में होठों से 5 सेमी. अन्दर डालें
- बाहर निकालते हुए सक्शन करें
- म्यूकस सकर को प्रत्येक नथुने में 2 सेमी. अन्दर डालें
- बाहर निकालते हुए सक्शन करें
- जरूरी होने पर इस प्रक्रिया को दोहराएँ

सक्शन करने हेतु
एम और एन का
नियम फोलो करें।
पहले मुँह में व बाद में
नाक में सक्शन करें।

बैग व मास्क का परीक्षण

1 बैग बल्ब दबाकर हवा की जांच करें।

2 पॉप ऑफ वाल्व की जांच करें।

3 बल्ब दबाने पर वापस हवा भरने की जांच करें।

4 उपयोग किये जाने वाले बैग की क्षमता 200 से 500 मिली से अधिक ना हो

बैग व मास्क का उपयोग

बैग और मास्क का उपयोग

- सीलबंद करने के लिए, ठुड्डी, मुंह और नाक के ऊपर मास्क रखें
- बैग को 2 अंगुलियों या पूरे हाथ से 2 से 3 बार दबाएँ
- छाती ऊपर उठ रही है या नहीं, इसका अवलोकन करें

यदि छाती ऊपर न उठ रही हो तो

- शिशु की स्थिति को बदलें
- मास्क चारों ओर से सीलबंद करें
- बैग को और अधिक दबाव से दबाएँ

छाती का ऊपर उठना आरंभ हो चुका हो तो

- 30 सेकेंड्स के लिए प्रति मिनिट 40 से 60 श्वास की दर से वेंटिलेट करें
- 30 सेकेंड्स के बाद श्वास का मूल्यांकन करें

यदि अभी भी शिशु में कोई सुधार न हुआ हो तो निम्नांकित की जांच करें

- मास्क अच्छे से सीलबंद है या नहीं
- श्वास नली में कोई स्राव तो नहीं है
- सिर सही स्थिति में रखा है या नहीं
- बैग और मास्क का सही तरीके से उपयोग किया जा रहा है या नहीं
- बैग को दबाने में पर्याप्त दबाव का उपयोग किया जा रहा है या नहीं

यदि 30 सेकेंड तक प्रभावी तरीके से बैग/मास्क वेंटिलेशन देने के बाद भी कोई सुधार न हुआ हो तो

- बैग/मास्क वेंटिलेशन जारी रखें

हृदय गति का आकलन कर

- यदि हृदय–गति प्रति मिनट 100 से ज्यादा हो तो वेंटिलेशन जारी रखें
- यदि हृदय–गति प्रति मिनट 100 से कम हो तो ऑक्सीजन के साथ वेंटिलेशन जारी रखें और चिकित्सक को बुलाएँ या तुरन्त रेफर करें
- शिशु को रेफर करने के दौरान प्रत्येक 30 सेकेंड के अंतराल पर आकलन करना जारी रखें।

पुनर्जीवन प्रक्रिया हेतु सही स्थिति

1 नवजात को पीठ के बल साफ व समतल सतह पर लिटायें।

2 सतह थोड़ी गर्म हो, यह सुनिश्चित कर लें या वार्मर का उपयोग करें।

3 पुनर्जीवन करने वाला नवजात के सिर की तरफ खड़ा हो।

4 सिर की तरफ खड़े होकर नवजात के कंधों के नीचे शोल्डर रोल लगाये जिससे उसकी श्वास नली खुल जाए।

पुनर्जीवन प्रक्रिया

1 बैग व मास्क लेकर मास्क को नवजात के चेहरे पर ऐसे लगायें कि उसका मुंह व नाक पूरी तरह कवर हो जाए किन्तु आंखें बची रहें।

2 अब बैग बल्ब दबाकर नवजात को कृत्रिम श्वसन दें, अब छाती को देखें कि वह ऊपर हो रही है या नहीं।

3 यदि मास्क की सील सही बन्द है और हवा फेफड़ों में जा रही है तो एक रीदम के साथ ब्रीथ... टू ..... थ्री गिनते हुए श्वास देना जारी रखें

पुनर्जीवन प्रक्रिया

4 यदि नवजात में हवा सही नहीं जा रही तो शुरूआत में ज्यादा दबाव से श्वसन दें।

5 छाती का निरीक्षण करते हुए श्वसन की दर 40 से 60 प्रति मिनट रखते हुए यह प्रक्रिया 30 सेकण्ड तक करें।

6 अब नवजात का आंकलन करें कि वह स्वतः श्वास ले रहा है या नहीं। साथ ही उसकी धड़कन भी देखें कि 100 प्रति मिनट या उससे अधिक है या नहीं।

7 यदि श्वसन व धड़कन सामान्य हो तो कृत्रिम श्वसन धीरे–धीरे कम करते हुए बन्द कर देंगे।

धड़कन की जांच करना

1 नवजात के नाभिनाल को छू कर स्पन्दन महसूस करें और उसे घड़ी देखते हुए 6 सेकण्ड तक गिनें।

2 6 सेकण्ड तक गिनने पर जो भी संख्या आये उसे 10 से गुणा करें यह नवजात की प्रति मिनट धड़कन होगी।

3 यदि प्रति मिनट धड़कन 100 या उससे अधिक है तो यह सामान्य है।

पुनर्जीवन प्रक्रिया पश्चात आंकलन

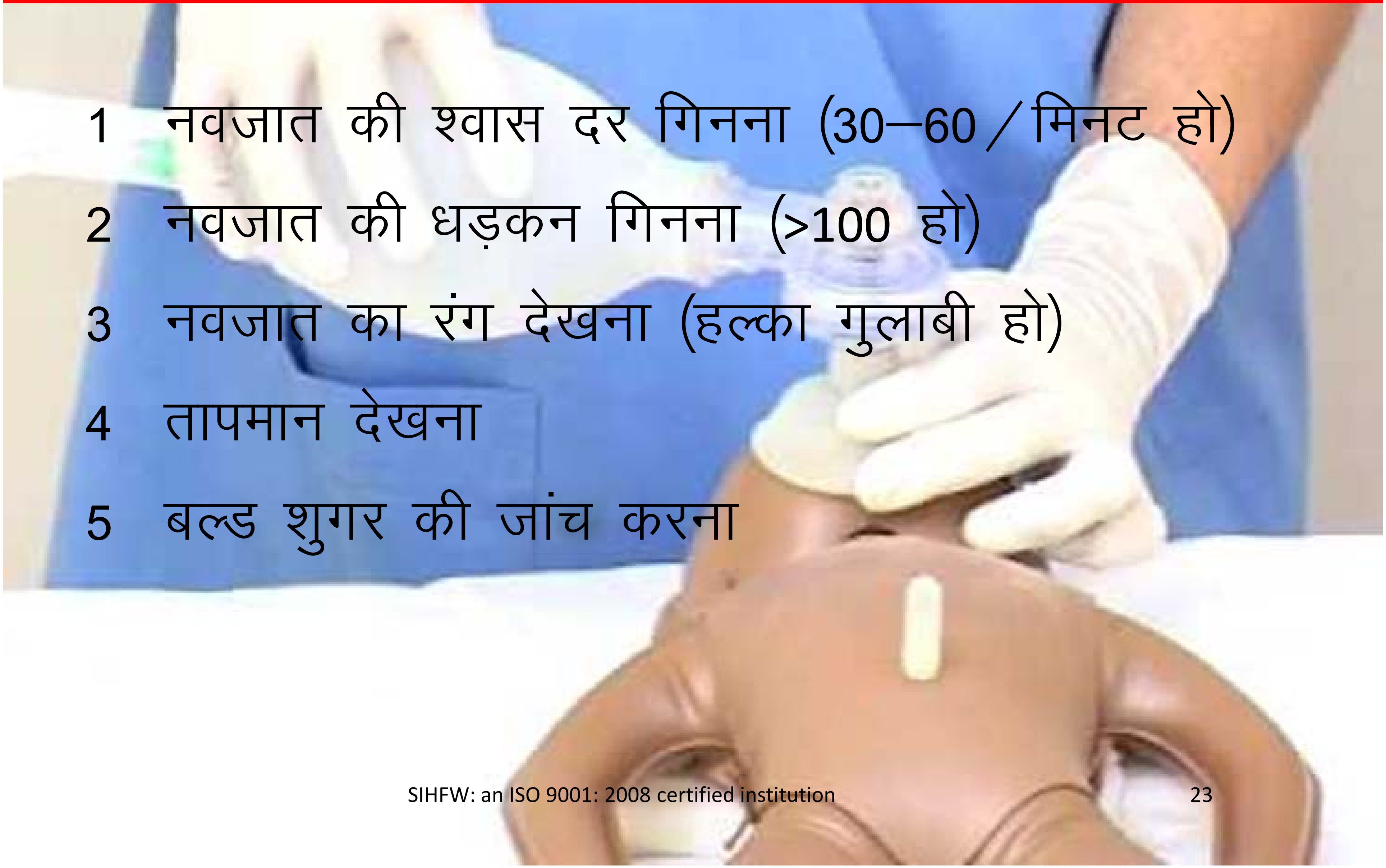

1 नवजात की श्वास दर गिनना (30–60/मिनट हो)

2 नवजात की धड़कन गिनना (>100 हो)

3 नवजात का रंग देखना (हल्का गुलाबी हो)

4 तापमान देखना

5 बल्ड शुगर की जांच करना

बैग व मास्क को विसंक्रमित करना

1 बैग व मास्क को विसंक्रमित करने के लिए उसे पानी व डिटरजेन्ट पाउडर की सहायता से धो लें।

2 गर्म भाप में 100 डिग्री तापमान पर 30 मिनट तक रखें या ग्लूटराल्डीहाईड विलयन (2%) में 20–45 मिनट तक रखें या हाइड्रोजन परॉक्साइड (3–6%) में 20 मिनट तक रखें।

3 अब इसे उबले हुए पानी से अच्छी तरह धो लें।

पुनर्जीवन प्रक्रिया कब तक

1 जब तक नवजात सामान्य स्वस्थ स्थिति में न आ जाए तब तक हर 30 सेकण्ड बाद उसका आंकलन करते हुए पुनर्जीवन प्रक्रिया जारी रखेंगे।

2 यदि नवजात में जीवन के कोई भी लक्षण न दिखाई दें तब 20 मिनट बाद पुनर्जीवन प्रक्रिया रोक देंगे।

3 नवजात की सांस दर, धड़कन व रंग सामान्य हो तो उसे यथा शीघ्र मां के पास स्तनपान हेतु दे दें।

4 यदि धड़कन 100 से कम ही रहती है तो पुनर्जीवन प्रक्रिया करते हुए रेफर करें।

धन्यवाद